

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

2 साल में एक ही फिल्म क्यों करती हैं श्रद्धा कपूर?

मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का

उल्हास विकास

लोकप्रिय हिंदी दैनिक

■ वर्ष : 43 ■ अंक : 204 ■ सोमवार, 2 नवंबर 2026 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.L.B., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

पुलिस का ड्रग्स के खिलाफ अभियान, 9 नशेड़ी पकड़े



- विट्ठलवाडी पुलिस का आपरेशन
- 5 अधिकारी और 40 पुलिस कर्मी टीम में
- 100 से अधिक नशेड़ियों पर कार्रवाई

उल्हासनगर. शहर में अपराध और नशे की गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की ओर से विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया गया। यह अभियान वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चंद्रहार गोडसे के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें कुल 5 पुलिस अधिकारियों और 40 पुलिस कर्मचारियों की टीम शामिल रही। इस विशेष अभियान के तहत विठ्ठलवाड़ी पुलिस स्टेशन की सीमा में आने वाले कुल 11 अलग-अलग स्थानों पर जांच कर कार्रवाई की गई। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस अभियान में नशे का सेवन करने वाले 4 लोगों, अन्य मामलों में 3 लोगों तथा 2 वांछित आरोपियों को पकड़ा गया। इस प्रकार कुल 9 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की गई। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक चंद्रहार गोडसे ने बताया कि पुलिस की ओर से इस तरह के कॉम्बिंग ऑपरेशन आगे भी लगातार जारी रहेंगे। साथ ही उन्होंने जानकारी दी कि पिछले एक वर्ष के दौरान नशीले पदार्थों का सेवन करने और उन्हें अपने पास रखने वाले 100 से अधिक लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा चुकी है। चंद्रहार गोडसे ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशीले पदार्थों का सेवन करता हुआ या इस तरह की संदिग्ध गतिविधियों में शामिल दिखाई देता है, तो तुरंत पुलिस हेल्पलाइन नंबर 112 पर सूचना दें। सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंचकर उचित कार्रवाई करेगी।

1.81 लाख बच्चों को कृमिनाशक गोलियां

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग की ओर से चलाए गए राष्ट्रीय कृमि मुक्ति अभियान के तहत 1 लाख 81 हजार 848 बच्चों को कृमिनाशक गोलियां दी गईं। अभियान का शुभारंभ महापौर हर्षाली विजय चौधरी के हाथों उंबर्डे स्थित महर्षि रघुनाथ कर्वे स्कूल में किया गया।

महानगरपालिका क्षेत्र के स्कूलों और आंगनवाड़ी केंद्रों में 1 से 19 वर्ष आयु वर्ग के पात्र बच्चों को गोलियां दी गईं। अभियान का उद्देश्य बच्चों को कृमि संक्रमण से बचाना और उनके शारीरिक विकास को बढ़ावा देना है।

स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, अभियान के दौरान दवा लेने से छूट गए पात्र बच्चों के लिए 3 नवंबर को मॉप-अप राउंड आयोजित किया जाएगा।

रसायन टैंकरों पर रात में लगा प्रतिबंध

अमल का इंतजार

डोंबिवली, अंबरनाथ और बदलापुर एमआईडीसी में 12 घंटे की पाबंदी

- रात के अंधेरे में छोड़े जाते हैं खतरनाक रसायन
- शाम 6 से सुबह 6 बजे तक टैंकरों की आवाजाही पर रोक



अंबरनाथ. रात के अंधेरे का फायदा उठाकर औद्योगिक क्षेत्रों से खतरनाक रसायनों को टैंकरों के जरिए नदी में छोड़े जाने की घटनाओं पर रोक लगाने के लिए ठाणे पुलिस ने एक बार फिर रात में टैंकरों की आवाजाही पर प्रतिबंध का आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार डोंबिवली, अंबरनाथ, अतिरिक्त अंबरनाथ और बदलापुर औद्योगिक क्षेत्रों में शाम 6 बजे से सुबह 6 बजे तक सभी प्रकार के टैंकरों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। हालांकि, आदेश जारी होने के बावजूद इसकी वास्तविक रूप से निगरानी और अमल को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

उल्हासनगर महानगरपालिका बनाम वनशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट मामले की सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान महाराष्ट्र सरकार के मुख्य सचिव ने औद्योगिक क्षेत्रों में रात के समय टैंकरों की आवाजाही पर रोक लगाने का आश्वासन दिया था। रात में टैंकरों से खतरनाक रसायन नदी, नालों और प्राकृतिक जलस्रोतों में छोड़े जाने से जल प्रदूषण के साथ नागरिकों के स्वास्थ्य और जलीय जैव विविधता पर गंभीर असर पड़ने की शिकायतें सामने आती रही हैं।

स्थानीय स्तर पर आदेश के अनुसार टैंकरों की नियमित जांच नहीं होने की बात सामने आ रही है। कुछ वर्ष पहले एमआईडीसी प्रशासन ने शहरों की सीमाओं पर रसायन ले जाने वाले टैंकरों की जांच के लिए विशेष जांच केबिन बनाए थे, लेकिन ये केबिन अब तक शुरू नहीं हो सके हैं। नतीजतन, इन स्थानों पर टैंकरों की जांच या रिकॉर्ड दर्ज करने की व्यवस्था प्रभावी नहीं हो पाई है।

स्थानीय नागरिकों और पर्यावरण प्रेमियों का कहना है कि जब शहर की सीमा पर ही जांच व्यवस्था सक्रिय नहीं है, तो केवल प्रतिबंधात्मक आदेश जारी करने से क्या हासिल होगा। उनका कहना है कि जब तक स्थानीय स्तर पर विशेष जांच दल और एमआईडीसी की जांच चौकियां वास्तव में सक्रिय नहीं होतीं, तब तक ऐसे आदेश प्रभावी होने के बजाय केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे।

प्रतिबंधात्मक आदेश 29 दिसंबर तक लागू रहेगा

ठाणे शहर विशेष शाखा के पुलिस उपायुक्त डॉ. धीरज कुमार बच्चु ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 के तहत नया प्रतिबंधात्मक आदेश जारी किया है। यह आदेश 31 अक्टूबर 2026 की रात 12 बजे से 29 दिसंबर 2026 की रात 12 बजे तक लागू रहेगा। आदेश का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है।

स्कायवॉक का पत्रा गिरने से बाइकर सवार घायल

- उल्हासनगर मनपा की लापरवाही से नागरिकों की सुरक्षा पर सवाल



उल्हासनगर. उल्हासनगर में स्कायवॉक की हालत लगातार खराब होती जा रही है। शनिवार दोपहर स्कायवॉक का एक पत्रा अचानक नीचे गिरकर एक बाइक सवार के ऊपर जा गिरा। इस घटना में बाइक सवार युवक की पीठ पर चोट लगी और वह घायल हो गया। व्यस्त समय में हुई इस घटना के बाद स्कायवॉक की सुरक्षा व्यवस्था पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं।

खतरनाक स्थिति में पहुंच चुके स्कायवॉक को लेकर 'एक हाथ मदतीचा' सामाजिक संस्था के अध्यक्ष विजय कदम ने उल्हासनगर महानगरपालिका प्रशासन से तत्काल ठोस कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि स्कायवॉक की मौजूदा स्थिति बेहद चिंताजनक है और इसके हिस्से गिरने जैसी घटनाएं सामने आ रही हैं। इस घटना में भले ही दुचाकीस्वार को मामूली चोट आई हो, लेकिन भविष्य में बड़ी दुर्घटना और जनहानि की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

विजय कदम ने सवाल उठाया कि प्रशासन आखिर कितनी दुर्घटनाओं का इंतजार करेगा। उन्होंने बताया कि मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने वर्ष 2022 में उन्हें भेजे पत्र में स्पष्ट किया था कि उल्हासनगर स्कायवॉक की पूरी जिम्मेदारी उल्हासनगर महानगरपालिका की है।

इसके अलावा, वर्ष 2024 में उल्हासनगर महानगरपालिका के शहर अभियंता ने विजय कदम को पत्र भेजकर आश्वासन दिया था कि स्कायवॉक की मरम्मत होने तक उसे बंद रखा जाएगा। इसके बावजूद अब तक इस खतरनाक स्कायवॉक को लेकर मनपा प्रशासन की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही है।

विजय कदम ने मांग की है कि मनपा प्रशासन तत्काल स्कायवॉक का निरीक्षण करे, आवश्यक मरम्मत कराए और उसकी सुरक्षा सुनिश्चित होने तक नागरिकों के लिए इसे बंद रखा जाए। उन्होंने कहा कि किसी बड़ी दुर्घटना में निर्दोष नागरिकों की जान जाने से पहले प्रशासन को तत्काल आवश्यक कदम उठाने चाहिए।

पानी की बर्बादी से नागरिकों में नाराजगी

उल्हासनगर. शहर में नागरिकों को पीने के पानी के लिए हलकान होना पड़ रहा है। इसी बीच मनपा के उद्यान विभाग की ओर से चक्कर वाले रास्ते पर पानी का छिड़काव किए जाने का मामला सामने आया है। एक ओर पानी की आपूर्ति के लिए नागरिक परेशान हैं, वहीं दूसरी ओर पानी की बर्बादी किए जाने से नागरिकों में नाराजगी है।

इसी दौरान कैंप-3 स्थित सेक्शन-17 चौक में महानगरपालिका के उद्यान विभाग द्वारा सड़कों की धुलाई के लिए पानी का छिड़काव किए जाने का मामला सामने आया है।

नागरिकों का कहना है कि एक तरफ पानी के लिए उन्हें भागदौड़ करनी पड़ रही है, जबकि दूसरी ओर बड़ी मात्रा में पानी सड़कों की धुलाई में खर्च किया जा रहा है। इससे महानगरपालिका की जल प्रबंधन व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

वृद्ध महिला के घर में डकैती, 3 गिरफ्तार

- 3 आरोपी गिरफ्तार
- पुलिस ने 12 घंटे में सुलझाया मामला
- 49 ग्राम सोने के आभूषण बरामद



बदलापुर. वांगणी में एक 80 वर्षीय वृद्ध महिला के घर में घुसकर उसके गले से सोने के आभूषण जबरन लूटने वाले आरोपियों को कुळगांव पुलिस ने घटना के महज 12 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने तकनीकी विश्लेषण और गुप्त सूचना के आधार पर तीन आरोपियों को दबोचा तथा उनके पास से चोरी किए गए 49 ग्राम वजन के सोने के आभूषण बरामद किए हैं।

पुलिस के अनुसार, 24 अक्टूबर को दोपहर करीब 4 बजे वांगणी स्थित विठ्ठल मंदिर के सामने रहने वाली इंदुबाई चितामण शेळार (80) अपने घर पर थीं। इसी दौरान तीन अज्ञात व्यक्ति उनके घर के सामने पहुंचे और उनसे पूछा कि, "आपके पास कोई खाली मकान है क्या?"

इसके बाद आरोपियों ने महिला से पीने के लिए पानी मांगा। वृद्ध महिला द्वारा पानी दिए जाने के बाद आरोपी पानी पीने का बहाना कर घर के अंदर चले गए। इसी मौके का फायदा उठाकर आरोपियों ने महिला के गले में पहनी करीब 20 ग्राम वजन की सोने की माला तथा हाथ में पहनी करीब 25 ग्राम वजन की सोने की दो चूड़ियां जबरन निकाल लीं और मौके से फरार हो गए।

घटना की जानकारी मिलते ही कुळगांव पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने तकनीकी जांच और गुप्त सूचना के आधार पर आरोपियों का पता लगाया।

पुलिस ने इस मामले में राजेश अनंत शेलार (31), गणेश भरत सोनवणे (35) और शिवम राजदेव पांडे (26) को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से वृद्ध महिला से लूटे गए कुल 49 ग्राम वजन के सोने के आभूषण बरामद कर लिए गए हैं।

वांगणी में दिनदहाड़े वृद्ध महिला को निशाना बनाकर की गई इस वारदात को पुलिस ने महज 12 घंटे में सुलझाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

मारपीट मामले में मुख्य आरोपी को 8 साल की सजा

- सदोष मनुष्यवध का दोषी करार, दूसरे आरोपी को किया बरी



कल्याण. बदलापुर पश्चिम के न्यू वडवली इलाके में मामूली विवाद के बाद हुई मारपीट में एक व्यक्ति की मौत के मामले में कल्याण जिला एवं सत्र न्यायालय ने मुख्य आरोपी प्रवीण संतोष मुकणे को आठ वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने उसे सदोष मनुष्यवध का दोषी ठहराया, जबकि दूसरे आरोपी सत्यवान बालकृष्ण वाघे को पर्याप्त सबूतों के अभाव में बरी कर दिया।

यह घटना 7 नवंबर 2018 को न्यू वडवली स्थित एक किराना दुकान के पास हुई थी। मामूली विवाद बढ़ने के बाद सत्यवान वाघे ने लकड़ी का डंडा लाकर प्रवीण मुकणे को दिया। मुकणे ने राजेश उर्फ चिड्या रमेश वाघे के सिर पर डंडे से वार किया। गंभीर रूप से घायल राजेश की अस्पताल में मौत हो गई।

मामले में पुलिस ने हत्या और अन्य संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। सुनवाई के दौरान सरकारी पक्ष ने 11 गवाहों के बयान दर्ज कराए। मेडिकल और पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सिर पर लगी गंभीर चोट को मौत का कारण बताया गया।

अदालत ने माना कि आरोपी को हमले के परिणाम की जानकारी थी, लेकिन हत्या का पूर्व नियोजित इरादा साबित नहीं हुआ। इसलिए उसे धारा 302 के बजाय भारतीय दंड संहिता की धारा 304 (भाग-2) के तहत दोषी ठहराया गया। अदालत ने उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना नहीं भरने पर दो महीने का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतना होगा। अदालत ने 8 नवंबर 2018 से न्यायिक हिरासत में बिताई अवधि को सजा में समायोजित करने का आदेश दिया।

एक ही परमिट पर चल रही कई पटाखा दुकानें?

- उल्हासनगर में 40 पटाखा दुकानों का फायर ऑडिट
- प्रशासन ने जताई चिंता



उल्हासनगर. दिवाली के मद्देनजर शहर में पटाखों की बिक्री शुरू हो गई है। उल्हासनगर के मुख्य बाजारों और प्रमुख चौक-चौराहों पर पटाखों की दुकानें सज गई हैं। इसी को देखते हुए महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग ने शहर की 40 पटाखा दुकानों का फायर ऑडिट किया है। विभाग को कुछ स्थानों पर एक ही परमिट के आधार पर कई दुकानें संचालित होने का संदेह है। उल्हासनगर महानगरपालिका के अग्निशमन विभाग की ओर से किए गए निरीक्षण में पाया गया कि कुछ दुकानों में पटाखों का अत्यधिक भंडारण किया गया है। दिवाली के दौरान शहर में बड़ी मात्रा में पटाखों की बिक्री होने के कारण अग्निशमन विभाग ने सुरक्षा के लिहाज से विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं।

- शहर में करीब 80 पटाखा दुकानें

महानगरपालिका क्षेत्र में करीब 80 पटाखा दुकानें होने की जानकारी सामने आई है। इनमें से अब तक 40 दुकानों का फायर ऑडिट किया जा चुका है। प्रत्येक दुकान में क्षमता से अधिक पटाखे रखे जाने की संभावना के चलते अग्निशमन विभाग की ओर से जांच की जा रही है।

अग्निशमन विभाग के सहायक अग्निशमन अधिकारी सुरेश शेवाळे ने बताया कि शहर में बड़ी संख्या में पटाखा दुकानें होने के कारण नियमित फायर ऑडिट किया जा रहा है। वहीं, उल्हासनगर के पुलिस उपायुक्त सचिन गोरे ने कहा कि शहर के मैदानों में पटाखे बेचने के लिए पुलिस विभाग की ओर से परमिट दिए जाते हैं। एक ही परमिट पर कई दुकानें शुरू होने की स्थिति में संबंधित व्यवसायियों और रहिवासियों के लिए परेशानी पैदा हो सकती है।

यातायात व्यवस्था भी चुनौती

- दिवाली के दौरान पटाखों की खरीदारी के लिए मुंबई, ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, कर्जत, कसारा, मुंब्रा, अंबरनाथ, बदलापुर सहित ग्रामीण क्षेत्रों से भी बड़ी संख्या में व्यापारी और नागरिक उल्हासनगर पहुंचते हैं। इससे मुख्य बाजारों और चौक-चौराहों पर भारी भीड़ होने की संभावना है।
- भीड़ को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने यातायात व्यवस्था में बदलाव किया है। हालांकि, इस संबंध में स्थायी समाधान की जरूरत महसूस की जा रही है। महानगरपालिका और पुलिस प्रशासन को पटाखा दुकानों की सुरक्षा के साथ-साथ यातायात नियंत्रण के लिए भी ठोस योजना तैयार करने की आवश्यकता है। अग्निशमन विभाग और पुलिस की ओर से पटाखा विक्रेताओं को सुरक्षा नियमों का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि दिवाली के दौरान किसी भी प्रकार की दुर्घटना को टाला जा सके।

अंबरनाथ पूर्व में पटाखे फोड़ने पर जमकर मारपीट

- 2 घायल, 8 लोगों पर अपराध दर्ज



अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के गायकवाड़ पाड़ा में घर के सामने पटाखे फोड़ने को लेकर हुए झगड़े में दो व्यक्ति घायल हो गए हैं. दोनों तरफ से शिवाजी नगर पुलिस में अपराध दर्ज किया गया है. दोनों ओर से 8 लोगों पर पुलिस ने मामला दर्ज किया है.

प्रतीक शिवाजी सोनावणे (32) ने पुलिस में शिकायत की है कि 30 अक्टूबर की रात 10 बजे उनके घर के सामने गायकवाड़ पाड़ा में नैतिक उमेश जाधव (22) पटाखे फोड़ रहा था. शिकायतकर्ता ने उससे कहा कि वह अपने घर के सामने जाकर पटाखे फोड़े. मेरे घर के सामने पटाखे मत फोड़. इसके बाद वहां पर उमेश जाधव आए और झगड़ा करने लगे तो प्रतीक ने उनके पीछे से आकर उनके सर पर कड़प्पा मारकर घायल कर दिया. उनके भाई प्रदीप को उमेश, दीपक गायकवाड़ और राज गायकवाड़ ने धक्का-मुक्की किया.

दूसरी ओर क्रास कम्प्लेंट करते हुए उमेश जाधव (45) जो कि टेम्पो चालक हैं, ने पुलिस का बताया कि उनका लड़का नैतिक पटाखे फोड़ते समय आरोपी क्र. 1 प्रतीक सोनावणे वहां पर आए और कहा कि तू पटाखे क्यों फोड़ रहा है, बोलकर उसके साथ गालीगलौज करते हुए मारपीट की. जब उमेश जाधव पूछने के लिए गए तो प्रतीक ने उनको लकड़ी-डंडे से मारा. शेष आरोपी दिलीप, आर्यन और प्रदीप सोनावणे ने गालीगलौज करके मारपीट की. पुलिस उप निरीक्षक केशव हासगुडे मामले की जांच कर रहे हैं.





जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास संपादकीय

भीड़ को दोष देना आसान

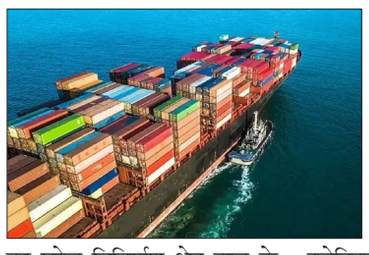
देश भर में धार्मिक आयोजनों, उत्सवों और सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान भगदड़ की घटनाएं गंभीर चिंता का विषय बन गई हैं। हर बार ऐसी घटनाओं के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठते हैं, जांच के आदेश दिए जाते हैं और भविष्य में ऐसी त्रासदियों को रोकने के दावे किए जाते हैं। मगर सरकारी तंत्र की ओर से दिखाई जाने वाली यह सक्रियता और सतर्कता वक्त के साथ शिथिल पड़ जाती है।

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के चोरबागान पूजा पंडाल में पिछले दिनों हुई भगदड़ की घटना के मामले में भी जांच के स्तर पर गंभीरता और संवेदनशीलता का अभाव नजर आ रहा है। पुलिस के एक आला अधिकारी ने जांच के प्रारंभिक निष्कर्षों का हवाला देते हुए कहा कि बारिश के कारण निकास द्वार पर महिलाओं की भीड़ जमा हो गई, जिस कारण भगदड़ मच गई। मगर सवाल है कि ऐसी स्थिति में भीड़ प्रबंधन की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? इसके लिए भीड़ को दोष देकर प्रशासन और आयोजक अपनी जवाबदेही से पल्ला कैसे झाड़ सकते हैं!

इसे विडंबना ही कहा जाएगा कि एक ओर सरकारी स्तर पर धार्मिक स्थलों और आयोजनों को पर्यटन से जोड़कर राजस्व के संसाधन सृजित करने पर जोर दिया जा रहा है, तो दूसरी तरफ श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर संवेदनशीलता कहीं नजर नहीं आती है। आखिर भगदड़ की घटनाओं से सबक क्यों नहीं लिया जाता, ताकि व्यवस्था में खामियों को दूर कर भविष्य में ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति को रोका जा सके?

पुलिस ने चोरबागान मामले में अब तक नौ लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें से दो लोगों पर आरोप है कि उन्होंने यह अफवाह फैलाकर अफरा-तफरी मचा दी कि पंडाल का एक हिस्सा गिर रहा है। जाहिर है, इस कोण से भी गहन जांच किए जाने की जरूरत है, लेकिन यह सवाल अपनी जगह कायम है कि आयोजन स्थल पर इस तरह की स्थिति से निपटने के लिए माकूल प्रबंध क्यों नहीं किए गए थे? इस सबके लिए जब तक आयोजकों और प्रशासन के संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय नहीं की जाएगी, तब तक हादसों पर अंकुश नहीं लग पाएगा। धार्मिक आयोजन तभी सफल माने जा सकते हैं, जब उनमें शामिल होने वाला हर व्यक्ति सकुशल अपने घर लौट सके।

विचार : जोखिम बढ़ाता बढ़ता व्यापार घाटा



हाल में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) और विश्व बैंक की बैठक में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे की चुनौती का सामना कर रहा है। चीन के साथ भारत का व्यापार घाटा वित्त वर्ष 2015-16 के 52.5 अरब डालर से दोगुने से अधिक होकर 2025-26 में 112 अरब डालर हो गया। हालांकि चीन को भारत के निर्यात में वृद्धि हुई है, लेकिन वहां से आयात की बड़ी मात्रा व्यापार घाटे को और बढ़ा रही है।

चीन के साथ बढ़ते व्यापारिक असंतुलन के पीछे कई संरचनात्मक और नीतिगत कारक जिम्मेदार हैं। इसका प्रमुख कारण चीन की गैर-शुल्क बाधाएं हैं। वित्त मंत्री के अनुसार, चीनी प्रशासन के जटिल तकनीकी, स्वास्थ्य और गुणवत्ता मानक भारतीय वस्तुओं के चीनी बाजार में प्रवेश को बाधित करते हैं। भारत एक दशक से अधिक समय से अपनी जेनेरिक दवाओं, प्रसंस्कृत मांस और कृषि उत्पादों के लिए चीनी बाजार में उचित पहुंच की मांग करता रहा है। जबकि चीन घरेलू उद्योगों को संरक्षण देने के लिए जटिल नियम लागू करता है। इसके चलते भारतीय निर्यातक प्रतिस्पर्धी कीमतों और गुणवत्ता के बावजूद चीनी बाजार में अपनी जगह नहीं बना पाते। इसके अलावा चीनी युआन की विनिमय दर के उतार-चढ़ाव से भारतीय रुपये पर दबाव बढ़ता है।

चीन के साथ व्यापारिक असंतुलन का एक अन्य पहलू 'मेक इन इंडिया' अभियान के बावजूद चीनी कच्चे माल और घटकों पर भारत की निर्भरता है। हालांकि भारत का घरेलू विनिर्माण क्षेत्र हाल के वर्षों में बढ़ा है, लेकिन औद्योगिक उत्पादन अब भी चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर है। भारत का इलेक्ट्रानिक्स उद्योग, डिस्प्ले पैनल, सोलर पीवी सेल, औषधीय कच्चा माल यानी एक्टिव फार्मास्युटिकल इन्ग्रीडिएंट्स (एपीआइ) और भारी औद्योगिक मशीनरी के लिए चीन से आयात पर निर्भरता बनी हुई है। इस निर्भरता के कारण भारत में औद्योगिक उत्पादन और विनिर्माण बढ़ने के साथ चीनी कलपुर्जों का आयात भी बढ़ता है। साथ ही चीन ने दुर्लभ मृदा तत्वों, लीथियम और आधुनिक उर्वरकों के उत्पादन एवं निर्यात पर नियंत्रण स्थापित कर रखा है। ये संसाधन भारत के इलेक्ट्रानिक्स उद्योग, इलेक्ट्रिक वाहनों, सौर ऊर्जा और कृषि क्षेत्र के लिए आवश्यक हैं। इनकी सीमित आपूर्ति और ऊंची कीमतों के कारण भारत को हर साल बड़ी मात्रा में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। चीन के साथ बढ़ते व्यापार घाटे को नियंत्रित करने के लिए केवल जवाबी सीमा शुल्क लगाना दीर्घकालिक समाधान नहीं है। इसके बजाय भारत को व्यापक रणनीति अपनानी होगी। इसकी पहली प्राथमिकता इलेक्ट्रानिक्स और सेमीकंडक्टर का घरेलू इकोसिस्टम विकसित करना होना चाहिए। भारत को अंतिम उत्पादों की असेंबलिंग के बजाय घटक स्तर पर निर्माण बढ़ाना होगा। जब तक प्रिंटेड सर्किट बोर्ड, एडवांस्ड सेंसर, डिस्प्ले पैनल और सेमीकंडक्टर चिप्स का उत्पादन देश में शुरू नहीं होता, तब तक चीन पर निर्भरता समाप्त नहीं होगी। दूसरा कदम फार्मास्यूटिकल्स और बल्क ड्रग क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करना है। भारत को दुनिया की फार्मेसी कहा जाता है, लेकिन उसका दवा उद्योग एपीआइ के लिए 70 प्रतिशत तक चीन पर निर्भर है। यह निर्भरता रणनीतिक और राष्ट्रीय सुरक्षा संबंधी जोखिम पैदा करती है।

इस निर्भरता को कम करने के लिए देश में घोषित बल्क ड्रग पार्कों की स्थापना तेज करनी होगी और 41 महत्वपूर्ण एपीआइ के घरेलू उत्पादन के लिए प्रोत्साहन योजनाएं लागू करनी होंगी। साथ ही चीन की गैर-शुल्क बाधाओं का मुकाबला करने के लिए भारत को कूटनीतिक प्रयासों के साथ देश में क्वालिटी कंट्रोल आर्डर लागू करने होंगे। अमानक चीनी सामान की डंपिंग रोकने के लिए गुणवत्ता मानक तय करना जरूरी है, ताकि घरेलू विनिर्माताओं को प्रतिस्पर्धा का उचित माहौल मिल सके। भारत को आपूर्ति श्रृंखलाओं में विविधता लाने और 'फ्रेंड-शोरिंग' की नीति अपनानी होगी। क्रिटिकल मिनरल्स, दुर्लभ धातुओं और उच्च तकनीकी उत्पादों के लिए चीन पर निर्भरता घटाने के उद्देश्य से समान विचारधारा वाले देशों के साथ वैकल्पिक आपूर्ति नेटवर्क तैयार करना होगा। ग्रीन टेक्नोलाजी और इलेक्ट्रिक वाहनों के विस्तार के दौर में यदि भारत ने घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा नहीं दिया तो जीवाश्म ईंधन के लिए पश्चिम एशिया पर निर्भरता कम होने के बाद चीन से हरित प्रौद्योगिकी के आयात पर निर्भरता बढ़ सकती है।



हिंसा रोकने की शर्त या असहमति पर अंकुश



इसमें कोई दोराय नहीं कि एक लोकतांत्रिक व्यवस्था में हिंसक गतिविधियों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। इसलिए अगर सरकार हिंसा की प्रवृत्ति को हतोत्साहित करने के उद्देश्य से कोई पहल कर रही है, तो इसका आशय समझा जाना चाहिए। मगर इसके समांतर यह प्रश्न भी अभिन्न रूप से जुड़ा हुआ है कि हिंसा को न पनपने देने के सरकार के कदम अप्रत्यक्ष रूप से लोकतांत्रिक स्वरों को बाधित तो नहीं करेंगे!

गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने अलग-अलग विभागों और स्थानीय निकायों में सीधी भर्ती से चुने जाने वाले अभ्यर्थियों के चरित्र प्रमाणपत्र से जुड़े नियमों में एक अहम बदलाव किया है। इसके तहत यह कहा गया है कि राज्य में व्यवस्था परिवर्तन के उद्देश्य से अगर कोई युवा सड़क पर उतरकर हिंसा करता है, तो उसे सरकारी नौकरी नहीं मिलेगी।

नए नियमों के मुताबिक अगर कोई व्यक्ति ऐसे संगठन का सदस्य है, जिसका मकसद हिंसा के जरिए समाज की व्यवस्था बदलना है, तो उसे भी अयोग्य माना जाएगा। हालांकि, यह भी कहा गया है कि किसी व्यक्ति को सिर्फ उसकी राजनीतिक विचारधारा के आधार पर अपात्र घोषित नहीं किया जाएगा। पिछले कुछ समय से दुनिया के कई देशों में सरकार के खिलाफ आम लोगों के प्रदर्शनों का जैसा स्वरूप देखा गया, उसमें जैसी हिंसा और अराजकता देखी गई, उसे विरोध का लोकतांत्रिक तरीका नहीं कहा जा सकता। ऐसे प्रदर्शनों से निपटना एक बड़ी चुनौती हो जाती है। मगर यह जरूरी नहीं है कि भारत में भी सरकार से असहमति जाहिर करने के लिए यहां के युवा वही तरीका अपनाएं। आमतौर पर हमारा देश लोकतांत्रिक परंपराओं में विश्वास रखता है और इसी के अनुरूप सरकार के समर्थन या विरोध में शांतिपूर्ण तरीके से अपनी राय अभिव्यक्त करता है।

ऐसे में हिंसा के विरुद्ध किसी राज्य सरकार की ओर से अलग से नए नियमों की घोषणा की जरूरत का संदर्भ समझना मुश्किल है। हालांकि, उत्तर प्रदेश सरकार का कहना है कि हिंसा में स्पष्ट भागीदारी की अंतिम पुष्टि होने तक किसी को नौकरी के अवसर से वंचित नहीं किया जाएगा, लेकिन सवाल यह है कि इस मामले में सरकार के नए नियमों की व्याख्या कौन करेगा। आम जनता के आंदोलन में 'हिंसा' की परिभाषा किस आधार पर तय की जाएगी और यह कैसे सुनिश्चित होगा कि विरोध के किसी स्वरूप को सरकार 'हिंसक' घोषित नहीं करेगी?

यों यह कोई पहला मामला नहीं है कि हिंसा के आधार पर नौकरी से वंचित करने का नियम लागू करने की कोशिश की जा रही है। वर्ष 2021 में बिहार में भी एक आदेश में कहा गया था कि विरोध प्रदर्शन के दौरान हंगामा हुआ और उससे कानून-व्यवस्था की समस्या पैदा हुई, तो प्रदर्शन में शामिल लोगों को सरकारी नौकरी से वंचित होना पड़ेगा।

तब इस संदर्भ में चरित्र प्रमाणपत्र निर्गत करने का भी निर्देश जारी हुआ था। सवाल है कि उत्तर प्रदेश में जारी नए नियमों का उद्देश्य वास्तव में विरोध प्रदर्शनों में शामिल होने वाले आम लोगों या युवाओं को हिंसा से दूर रखना है या फिर इसके जरिए एक डर पैदा किया जाएगा, ताकि सरकार के खिलाफ असहमति के स्वर उभरने से पहले ही दब जाएं? जिस दौर में बेरोजगारी पहले ही देश के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में एक है, उसमें ऐसी शर्तों का वास्तविक असर क्या होगा? लोकतंत्र में हिंसा की जगह नहीं हो सकती। मगर इसके लिए युवाओं को 'सरकारी नौकरी से वंचित रखने' का नियम बनाना पड़े, तो क्या उसे अभिव्यक्ति पर अंकुश की तरह नहीं देखा जाएगा और क्या यह लोकतंत्र के जीवन को प्रभावित नहीं करेगा?

बीकानेर के एक ही कॉलेज में पति-पत्नी की 8 जोड़ियां

पति-पत्नी के बीच बेहतर तालमेल और आपसी समझ किसी भी रिश्ते की मजबूती का आधार होती है.

जरा हट के



लेकिन जब जीवनसाथी घर के साथ-साथ कार्यस्थल पर भी साथ हो तो यह रिश्ता और खास बन जाता है. बीकानेर के संभाग के सबसे बड़े राजकीय डूंगर महाविद्यालय में कुछ ऐसा ही अनोखा नजारा देखने को मिलता है. यहां पढ़ाने वाले आठ ऐसे जोड़े हैं, जो आपस में पति-पत्नी हैं. ये सभी एक ही कॉलेज में विद्यार्थियों को शिक्षा देने का काम कर रहे हैं. खास बात यह है कि इनमें चार जोड़े ऐसे हैं, जो एक ही विभाग में साथ बैठकर काम करते हैं. यानी कॉलेज में पढ़ाने से लेकर विभागीय जिम्मेदारियां निभाने और घर लौटने तक इनका साथ बना रहता है.

ऐसे में इन जोड़ों के अनुभव भी खास हैं. इनका मानना है कि साथ काम करने से एक-दूसरे को समझने, सहयोग करने और बेहतर तालमेल बनाने में मदद मिलती है. जियोग्राफी विभाग में सह आचार्य डॉ. देवेश सहारण और उनकी पत्नी डॉ. श्वेता नेहरा भी इसी तरह का एक जोड़ा हैं. दोनों एक ही विभाग में कार्यरत हैं और पिछले 18 साल से साथ हैं. डॉ. श्वेता नेहरा बताती हैं कि उनके बीच बेहतर अंडरस्टैंडिंग है. वे प्रोफेशनल और पर्सनल लाइफ दोनों को अच्छे तरीके से संभाल रहे हैं. उनका मानना है कि युवाओं के रिश्तों में आपसी कोऑर्डिनेशन, म्यूचुअल अंडरस्टैंडिंग और धैर्य बहुत जरूरी है. आज की युवा पीढ़ी में धैर्य की कमी दिखाई देती है. कई बार किसी बात पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय शांत रहना चाहिए, क्योंकि कुछ चीजें समय के साथ अपने आप भी सुलझ जाती है.

डॉ. देवेश सहारण बताते हैं कि एक ही जगह काम करने के कई फायदे हैं. दोनों को एक-दूसरे के काम करने के तरीके और जिम्मेदारियों की जानकारी रहती है. इससे प्रोफेशनल लाइफ में भी एक-दूसरे का सहयोग मिलता है. साथ काम करने से आपसी समझ और बेहतर होती है. शाम को चाय के समय साथ बैठकर दिनभर की बातें साझा करना भी अच्छा लगता है.

ब्रेस्ट कैंसर को अनदेखा कर देती हैं महिलाएं

- 'कल दिखा लूंगी' की आदत बन सकती है ब्रेस्ट कैंसर का बड़ा खतरा
- बिना दर्द वाली गांठ को कभी न करें अनदेखा



उसे घर में सबका जन्मदिन, बच्चों का स्कूल फॉर्म, बड़े-बुजुर्गों की डॉक्टर की अपॉइन्टमेंट जैसी सारी चीजें याद रहती हैं, पर बात जब अपनी सेहत की आती है तो वो नजरअंदाज कर देती है। यही वजह है कि जब उसे छोटी गांठ का पता लगा, तो उसने सिर्फ इसलिए इसे कल के लिए टाल दिया क्योंकि दर्द नहीं हो रहा था।

यही कल ब्रेस्ट कैंसर को जीत दिलाता है, क्योंकि तब तक सबसे आखिर में पता चलने पर पछतावा ही हाथ लगता है।

भारत में ब्रेस्ट कैंसर महिलाओं में होने वाला सबसे आम कैंसर है। ग्लोबोकैन की रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2022 में ब्रेस्ट कैंसर के करीब 1.9 लाख केस देखने को मिले थे। रिपोर्ट तो यहां तक कहती हैं कि इस बीमारी से पीड़ित हर दो में से एक महिला की मृत्यु हो जाती है, क्योंकि ज्यादातर मामलों में कैंसर का पता स्टेज III या IV में ही चल पाता है। इसका सीधा सा मतलब यह है कि महिलाएं इसके लक्षणों को पहचानने के बावजूद देरी करती जाती हैं।

दर्द न होने का मतलब नुकसान न होना नहीं

इसके बारे में बात करने से पहले जान लें कि सारी गांठ ब्रेस्ट कैंसर नहीं होतीं। सिस्ट और फाइब्रोएडीनोमा ज्यादातर मामलों में सामान्य हैं और इनसे कोई नुकसान नहीं होता। पर ब्रेस्ट कैंसर का सबसे बड़ा संकेत है बिना दर्द वाली गांठ, जो सख्त हो और उसके किनारे में सामान्य हो।

ऐसे में समझने की जरूरत है कि कई बार दर्द खतरे की घंटे नहीं होती, बल्कि हमारी चुप्पी होती है। यहां दिए गए संकेतों को भी न करें नजर अंदाजः

- ब्रेस्ट के साइज और शेप में बदलाव
- त्वचा पर गड्ढे पड़ना या सिकुड़ जाना
- निप्पल का अंदर की तरफ बढ़ना या उसमें से खूनी डिस्चार्ज
- लालिमा, पपड़ीदार त्वचा या सूजन
- स्तन के बगल में गांठ बनना

घबराना नहीं, एक्शन लेना है

ब्रेस्ट कैंसर का पता चलने पर या गांठ निकलने पर घबराना नहीं है, बल्कि इसकी जल्द से जल्द जांच करवाकर उस खतरे को टालना है।

40 की उम्र के बाद एक दिन अपने नाम

एक मैमोग्राम ट्यूमर को हाथों से जांच करने के सालों पहले ब्रता लगा सकता है। ऐसे में 40 की उम्र पार कर चुकी हर महिला को साल में एक बार इसकी जांच जरूर करानी चाहिए। इसे कैलेंडर में ठीक वैसे ही मार्क कर लें, जैसे किसी का जन्मदिन। अगर मां या बाभन को ब्रेस्ट या ओवेरियन कैंसर हो चुका हो, तो डॉक्टर को इसके बारे में भी बताएं, ताकि उम्र से पहले भी समय-समय पर टेस्ट कराए जा सकें।

इस बात को समझें कि आपका परिवार आपको व्यस्त नहीं, सेहतमंद देखना चाहता है। इस अक्टूबर 'कल देखेंगे' की आदत को 'आज दिखाऊंगी' वाली आदत से बदलें। फिर किसी और महिला को भी ऐसा ही करने की सलाह दें।

ज्वार का उपमा

खाना-खजाना

अगर आप हर बार एक ही तरह का रवा उपमा खाकर बोर हो चुके हैं, तो अब समय है कुछ नया और हेल्दी ट्राई करने का। ज्वार (सोरघम) से बना उपमा न सिर्फ स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद है।

सामग्री :

- 1 कप ज्वार रवा (ज्वार का दरदरा आटा)
- 1 छोटा प्याज (बारीक कटा हुआ)
- 1-2 हरी मिर्च (कटी हुई)
- 1/2 कप सब्जियां (गाजर, मटर, बीन्स)
- 1/2 छोटा चम्मच राई
- 1/2 छोटा चम्मच जीरा
- 8-10 करी पत्ते
- 1 बड़ा चम्मच तेल
- स्वादानुसार नमक
- 2 कप पानी
- नींबू का रस (ऑप्शनल)

बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन में ज्वार रवा को हल्का सा सूखा भून लें,जिस उसका कच्चापन खत्म हो



जाए और खुशबू आने लगे।

एक कड़ाही में तेल गर्म करें और उसमें राई डालें। जब राई चटकने लगे, तो जीरा, करी पत्ते और हरी मिर्च डालकर भूनें। इसके बाद प्याज डालकर हल्का गुलाबी होने तक पकाएं।

अब इसमें कटी हुई सब्जियां डालकर 2-3 मिनट तक भूनें। सब्जियां हल्की नरम हो जाएं, तो इसमें पानी डालें और नमक मिलाएं। जब पानी उबलने लगे, तब धीरे-धीरे भुना हुआ ज्वार रवा डालते जाएं और साथ ही लगातार चलाते रहें, ताकि गांठें न बनें।

अब गैस धीमी कर दें और उपमा को ढककर 5-7 मिनट तक पकने दें। जब ज्वार रवा पानी सोख ले और उपमा अच्छी तरह पक जाए, तब गैस बंद कर दें। ऊपर से नींबू का रस डालकर हल्का सा मिलाएं।

आज का राशिफल

मेष : कार्यक्षेत्र में नए विचार और योजनाएं फलदायी होंगी। व्यापारिक गतिविधियों में गति आएगी, नया मुनाफा संभव है। परिवार में सुख-शांति रहेगी, अपनों का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी, रुका हुआ पैसा मिल सकता है। शारीरिक रूप से चुस्त-दुरुस्त और ऊर्जावान महसूस करेंगे। सूर्य देव को तांबे के लोटे से जल अर्पित करें।

वृषभ : सहकर्मियों के सहयोग से लंबित कार्य आसानी से पूरे होंगे। व्यापार में संभलकर कदम बढ़ाएं, बड़ा निवेश टालें। जीवनसाथी के साथ अच्छा समय बिताने का मौका मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर चलना हितकर रहेगा। सेहत अच्छी रहेगी, योग और ध्यान पर ध्यान दें। किसी जरूरतमंद को चावल या दूध का दान करें।

मिथुन : अधिकारियों से सराहना मिलेगी, पद-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नए व्यावसायिक अनुबंध होने की संभावना है, लाभ मिलेगा। मित्रों के साथ संबंध प्रगाढ़ होंगे, घर में खुशहाली रहेगी। धन लाभ के योग हैं, निवेश से भविष्य में फायदा होगा। स्वास्थ्य सामान्य और अनुकूल बना रहेगा। गणेश जी को दूर्वा अर्पित करें।

कर्क : कामकाज में सावधानी बरतें, कोई भी फैसला जल्दबाजी में न लें। व्यापारिक लेन-देन में पारदर्शिता रखें, सतर्कता जरूरी है। परिजनों के साथ बातचीत में सौम्यता बनाए रखें। अनावश्यक खर्चों से बचें, बजट का पालन करें। मानसिक तनाव से बचें, पर्याप्त नींद लेना आवश्यक है। शिवलिंग पर जल और कच्चा दूध चढ़ाएं।

सिंह : कार्यस्थल पर आपकी प्रतिभा और कार्यकुशलता की तारीफ होगी। व्यापार में नए रास्ते खुलेंगे, विस्तार की योजना सफल होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता और प्रेम बना रहेगा। अचानक आर्थिक लाभ होने की संभावना बन रही है। सेहत उत्तम रहेगी, ताजगी महसूस करेंगे। आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें।

कन्या : कठिन कार्यों को भी अपनी सूझबूझ से आसानी से निपटा लेंगे। व्यवसाय में नया काम शुरू करने के लिए दिन शुभ है। परिवार के बुजुर्गों का आशीर्वाद और सहयोग मिलेगा। वित्तीय लाभ की स्थिति अच्छी रहेगी, बचत बढ़ेगी। सेहत अच्छी रहेगी, खान-पान का ध्यान रखें। गाय को हरी घास या पालक खिलाएं।

तुला : टीम वर्क से काम करने पर सफलता और सम्मान मिलेगा। व्यापारिक यात्रा से बड़ा फायदा मिलने के योग हैं। प्रेम संबंधों में सामंजस्य और विश्वास बढ़ेगा। धन संचय के प्रयास सफल रहेंगे, आर्थिक राहत मिलेगी। स्वास्थ्य बढ़िया रहेगा, स्फूर्ति बनी रहेगी। मां लक्ष्मी के समक्ष घी का दीपक जलाएं।

वृश्चिक : दफ्तर में जिम्मेदारी बढ़ सकती है, संयम से काम लें। व्यापार में थोड़ा संघर्ष रहेगा, लेकिन परिणाम सकारात्मक होंगे। अपनों के साथ समय बिताने से मन प्रसन्न रहेगा। सोच-समझकर किए गए निवेश से लाभ मिलेगा। सेहत सामान्य रहेगी, नियमित वॉक करें। हनुमान जी के दर्शन करें और गुड़ का भोग लगाएं।

धनु : नई योजनाओं पर काम शुरू करने के लिए दिन अनुकूल है। व्यापार में आशातीत सफलता और बड़ा मुनाफा मिलेगा। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, आय के साधन बढ़ेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा, मन शांत और प्रसन्न रहेगा। भगवान विष्णु को पीले फूल और चने की दाल अर्पित करें।

मकर : कार्यक्षेत्र में आपका प्रभाव बढ़ेगा, लक्ष्य समय पर पूरे होंगे। व्यापारिक फैसलों में अनुभव का लाभ मिलेगा, मुनाफा होगा। पारिवारिक वातावरण खुशनुमा और शांतिपूर्ण रहेगा। वित्तीय मामलों में स्थिरता आएगी, लाभ के अवसर मिलेंगे। ऊर्जावान महसूस करेंगे, पुरानी समस्या से राहत मिलेगी। सूर्य को जल दें और गायत्री मंत्र का जाप करें।

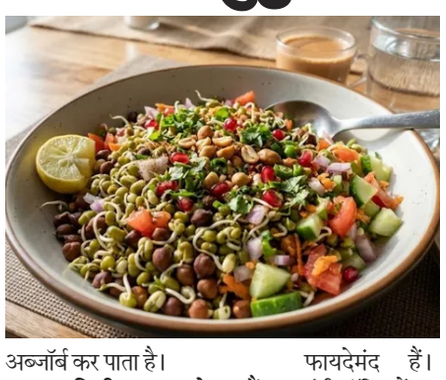
कुंभ : दफ्तर में नई तकनीक या तरीके से काम करना लाभदायक रहेगा। व्यापार में साझेदारों का पूरा सहयोग मिलेगा, वृद्धि होगी। मित्रों और प्रियजनों के साथ मेल-जोल बढ़ेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, पुराने निवेश से फायदा होगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा, योग को दिनचर्या में शामिल करें। सूर्य देव को अर्घ्य दें और 'ॐ सूर्याय नमः' का जाप करें।

मीन : वरिष्ठों का समर्थन मिलेगा, काम की सराहना होगी। व्यवसाय में नए सौदे लाभकारी सिद्ध होंगे। परिवार में धार्मिक या मांगलिक कार्य की योजना बनेगी। धन का आगमन सुचारू रहेगा, वित्तीय स्थिति मजबूत होगी। मानसिक शांति और शारीरिक आरोग्य प्राप्त होगा। भगवान विष्णु और मां लक्ष्मी की पूजा करें।

–ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

रोजाना खाएं एक मुट्ठी स्प्राउट्स

- फायदे जानकर कर लेंगे डाइट में शामिल



छोटे-छोटे अंकुरित अनाज और दालें खाने में टेस्टी होने के साथ-साथ सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद होती हैं। इसलिए हेल्थ कॉन्शियश लोग इन्हें अपनी डाइट में जरूर शामिल करते हैं। इन्हें रोजाना खाने से शरीर को प्रोटीन, फाइबर, विटामिन और मिनरल्स आसानी से मिल जाता है।

रोजाना स्प्राउट्स को अपनी डाइट में शामिल करने से सेहत से जुड़ी कई समस्याएं भी हमसे दूर रहती हैं। आइए जानें अगर आप अपनी डाइट में रोजाना स्प्राउट्स शामिल करते हैं, तो आपको क्या-क्या फायदे मिल सकते हैं।

रोज स्प्राउट्स खाने के फायदे

डाइजेशन और मेटाबॉलिज्म में मददगार- स्प्राउट्स में फाइबर की मात्रा ज्यादा होती है,जो आपके डाइजेशन को मजबूत बनाती है। इससे कब्ज और अन्य डाइजेशन सम्बन्धी प्रॉब्लम्स में राहत मिलती है। साथ ही, यह मेटाबॉलिज्म को बढ़ाता है, जिससे शरीर आसानी से कैलोरी और पोषक तत्वों को अब्जॉर्ब कर पाता है।

इम्युनिटी बढ़ाते हैं- स्प्राउट्स में एंटीऑक्सिडेंट्स और विटामिन-सी भरपूर मात्रा में पाया जाता है, जो शरीर को बीमारियों से लड़ने में मदद करता हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाता है। नियमित रूप से इन्हें खाने से आप दिनभर एनर्जेटिक महसूस करते हैं और थकान भी कम होती है।

प्रोटीन का बेस्ट सोर्स- स्प्राउट्स में प्रोटीन की अच्छी मात्रा होती है। यह मसल्स बनाने, शरीर की रिकवरी और लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद करता है। जिम जाने वाले या वर्कआउट करने वाले लोगों के लिए स्प्राउट्स एक नेचुरल और हेल्दी प्रोटीन सोर्स है।

वजन नियंत्रण और दिल की सेहत- स्प्राउट्स खाने से भूख नियंत्रित रहती है, जिससे वजन कम करने में मदद मिलती है। साथ ही, यह हार्ट हेल्थ के लिए भी फायदेमंद हैं। इनमें मौजूद एंटीऑक्सिडेंट्स और फाइबर ब्लड प्रेशर और कोलेस्ट्रॉल को नियंत्रित करने में मदद करते हैं।

त्वचा और बालों के लिए लाभकारी- स्प्राउट्स में विटामिन-ई और मिनरल्स होते हैं, जो स्किन को ग्लोइंग बनाते हैं और बालों को मजबूत बनाते हैं। रोजाना सेवन से आपकी स्किन हेल्दी रहती है और बाल शाइनी बनते हैं।

डाइट में स्प्राउट्स कैसे शामिल करें?

स्प्राउट्स को आप सलाद, सैंडविच, स्टर-फ्राई या स्मूदी में इस्तेमाल कर सकते हैं। मूंग, चना, अल्फाल्फा और मूंगफली के स्प्राउट्स काफी ज्यादा पौष्टिक होते हैं।

किचन की चिमनी पर जमी गंदगी की मोटी परत

इस ट्रिक से चमकाएं दोबारा नए जैसा

सबसे पहले फिल्टर और जाली निकालें

चिमनी की सफाई शुरू करने से पहले उसका स्विच बंद करके बिजली का कनेक्शन सुरक्षित तरीके से डिस्कनेक्ट कर दें. इसके बाद चिमनी से फिल्टर और मेश यानी जाली को सावधानी से बाहर निकालें. इन हिस्सों को अलग-अलग साफ करना आसान रहता है. सफाई शुरू करने से पहले कंपनी के गाइडलाइन भी देख लें.

सिरके से साफ करें बाहरी हिस्सा

चिमनी के हुड और पैनल पर जमा चिकनाई हटाने के लिए सिरके का इस्तेमाल कर सकते हैं. एक कटोरी में सिरका और पानी मिलाकर घोल तैयार करें. इसमें पेपर टॉवल या साफ कपड़ा भिगोकर चिमनी की बाहरी सतह को पोंछें. गंदगी वाली जगह पर कुछ मिनट तक घोल लगा रहने दें. इसके बाद साफ पानी में भिगोए कपड़े से दोबारा पोंछ लें.

बेकिंग सोडा से साफ करें फिल्टर

फिल्टर और जाली पर जमी चिकनाई हटाने के लिए एक बड़े टब में इन्हें रखें. इनके ऊपर 2 कप सिरका डालें. अब 2-3 चम्मच बेकिंग सोडा और नमक छिड़क दें. टब में इतना गर्म पानी भरें कि फिल्टर अच्छी तरह डूब जाएं. इन्हें करीब 2 घंटे तक इसी घोल में रहने दें. इसके बाद साफ पानी से धोकर कपड़े से पोंछ लें.

डिशवॉश लिक्विड भी आएगा काम

फिल्टर की सफाई के लिए बर्तन धोने वाला लिक्विड भी इस्तेमाल कर सकते हैं. फिल्टर पर लिक्विड लगाकर हल्के हाथों से फैलाएं. अब एक प्लास्टिक की बाल्टी में गर्म पानी भरकर फिल्टर को करीब 2 घंटे के लिए डुबो दें. इसके बाद सॉफ्ट स्क्रबर से रगड़कर चिकनाई हटाएं. साफ पानी से धोने के बाद इन्हें खुली हवा में सूखने दें.

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आजम खान को ED केस में न्यायिक हिरासत

रामपुर. समाजवादी पार्टी के नेता आजम खान को शनिवार को ईडी ने रामपुर जेल से रिहा होते ही गिरफ्तार कर लिया गया था। आजम खान को आज ईडी की टीम गाजियाबाद की विशेष पीएमएलए कोर्ट लेकर पहुंची और उनकी पेशी करवाई। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा। शनिवार को बेटे अब्दुल्ला के साथ आजम जेल बाहर निकले थे। तभी ईडी ने उन्हें कस्टडी में ले लिया गया था। मालूम हो कि आजम खान के जौहर ट्रस्ट के खिलाफ 2019 में हुई शिकायत पर ईडी ने केस दर्ज किया था। जिसके बाद से जांच दर जांच चलती रही। जौहर ट्रस्ट के पदाधिकारियों और आजम खां के करीबियों से ईडी ने पूछताछ की।

आगरा में बुजुर्ग दंपति ने की आत्महत्या, पति दुकान और पत्नी का शव कमरे में लटका मिला

आगरा. यूपी के आगरा में सनसनीखेज मामला सामने आया है। शाहगंज क्षेत्र की बर वाली गली में रविवार देर रात बुजुर्ग दंपति ने फांसी लगाकर जान दे दी। पति का शव घर में बनी दुकान में, जबकि पत्नी का शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। मृतकों की पहचान 65 वर्षीय शेरू और उनकी पत्नी मुन्नी देवी के रूप में हुई है। दोनों वरिष्ठ नागरिक थे। घटना सराय ख्वाजा चौकी क्षेत्र की है। रविवार देर रात दंपति ने किन परिस्थितियों में यह कदम उठाया, इसकी वजह अभी स्पष्ट नहीं हो सकी है। परिवार और आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। एसीपी लोहामंडी गौरव सिंह ने बताया कि प्रथमदृष्टया आर्थिक तंगी के चलते दंपति द्वारा आत्महत्या किए जाने की आशंका है। हालांकि, अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही घटना की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी।

काशी के मकान में बाप-बेटे चला रहे थे गन फैक्ट्री, पुलिस की छापेमारी में 2 गिरफ्तार

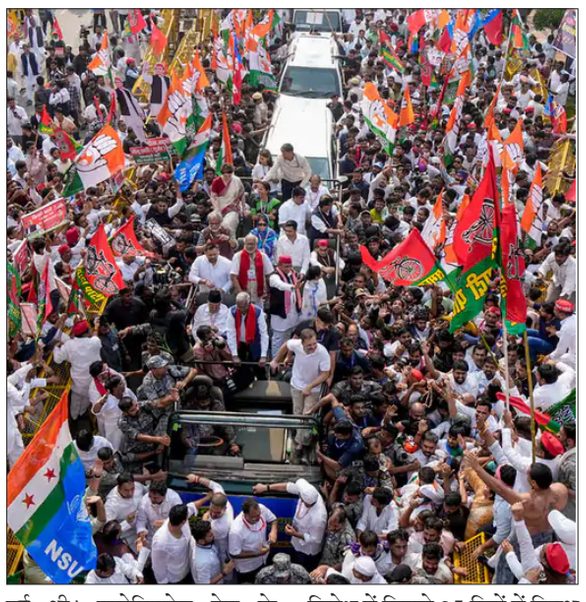
वाराणसी. यूपी के वाराणसी के लंका पुलिस ने अवैध असलहा बनाने की फैक्ट्री का भंडाफोड़ करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सामने घाट स्थित शिवाजी नगर कॉलोनी के एक मकान में छापा मारकर बड़ी संख्या में अवैध असलहे, कारतूस और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण बरामद किए। मौके से तीन .32 बोर की देसी पिस्टल, 19 अधबने तमंचे-पिस्टल, छह मैगजीन और 143 कारतूस समेत कुल 61 तरह के सामान मिले हैं। पुलिस के मुताबिक, मकान के कमरे में असलहे बनाने का काम किया जा रहा था। तैयार हथियारों को शहर के अलग-अलग इलाकों में बेचकर मोटी कमाई की जाती थी।गिरफ्तार आरोपितों में विमल कांत झा और डाफी स्थित अशोकपुरम कॉलोनी निवासी अमन कुमार मिश्रा शामिल हैं। विमल कांत झा का बेटा अंजनी चंद्र झा इस अवैध कारोबार का मुख्य संचालक है।

वॉन्टेड शार्प शूटर माया त्यागी मुठभेड़ में ढेर

नोएडा. नोएडा सेक्टर-126 क्षेत्र में शनिवार रात को हुई पुलिस मुठभेड़ में रणदीप भाटी गैंग से जुड़ा 50 हजार का इनामी शार्प शूटर अमन उर्फ माया त्यागी ढेर हो गया। वह बादलपुर थाने का वॉन्टेड अपराधी था। मुठभेड़ में दो पुलिसकर्मी भी घायल हो गए। पुलिस के मुताबिक, नोएडा पुलिस और सीआरटी की टीम माया त्यागी की तलाश में अभियान चला रही थी। सेक्टर-126 क्षेत्र में पुलिस टीम से शनिवार को उसका सामना हो गया। खुद को घिरा देख बदमाश ने पुलिस पर गोलीबारी शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में उसे भी गोली लगी। पुलिस द्वारा अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। उसके पास से बाइक, पिस्तौल और कारतूस बरामद हुआ।

CEC के खिलाफ 19 विपक्षी पार्टियों की रैली

- राहुल बोले- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार जेल जाएंगे



नई दिल्ली. अलग-अलग पार्टियां, मकसद एक- ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग. विपक्ष के तमाम बड़े नेताओं ने दो दिन से दिल्ली में डेरा डाल रखा है।

शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे के घर विपक्ष ने मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ महाभियोग पास किया, तो रविवार को सोनिया समेत राहुल, प्रियंका, अखिलेश, ममता और तेजस्वी बाकी नेताओं के साथ रामलीला मैदान पहुंचे।

करीब चार घंटे चले इस कार्यक्रम में राहुल गांधी ने कहा- मेरी बात सच होगी, ज्ञानेश कुमार CEC के पद से हटेंगे और जेल जाएंगे।

इससे पहले दोपहर करीब 12 बजे विपक्षी नेताओं ने मिंटो रोड से रामलीला मैदान तक मार्च निकाला। नेता खुली गाड़ी में सवार थे और उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता चल रहे थे। दोपहर करीब 1:30 बजे तक मैदान में भीड़ बढ़ गई थी। एसोसिएटेड प्रेस के मुताबिक, रैली में हजारों की संख्या में लोग जुटे।

रैली में सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, फारूक अब्दुल्ला, महबूबा मुफ्ती और सुप्रिया सुले समेत INDIA ब्लॉक के कई नेता मौजूद रहे। 8 नेताओं ने स्पीच दी।

SIR और ज्ञानेश कुमार के विरोध में पिछले 25 दिनों में विपक्ष सातवीं बार एकजुट हुआ था। इससे पहले 6 से 13 अक्टूबर के बीच 6 बार प्रदर्शन हो चुके हैं।

राहुल गांधी ने कहा, 'ज्ञानेश कुमार रात को सो नहीं पाता। वो डर रहा है, उसने सबसे बड़ा क्राइम किया है। देश की आवाज को बंद करने की कोशिश की, उसका गला घोंटा है।'

उन्होंने कहा, 'न तो मोदी, न ही शाह, वो भी सो नहीं पा रहे। हम दुश्मनी वाले लोग नहीं है। हमें नफरत नहीं, मोहब्बत फैलानी है। ये प्रोटेस्ट किसी एक पार्टी, एक नेता का नहीं है। ये देश का प्रोटेस्ट है। देश की आवाज है, संविधान को बचाने की आवाज है।'

भाजपा बोली- 2024 में ज्ञानेश कुमार CEC थे ही नहीं

भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि राहुल कहते हैं कि 2024 का चुनाव अवैध था। मैं कहना चाहता हूं कि 2024 में ज्ञानेश कुमार मुख्य चुनाव आयुक्त नहीं थे। 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बनकर आए। अगर 2024 का चुनाव अवैध था तो आप भी अवैध लीडर ऑफ अपोजिशन हैं। आपके जितने भी सांसद हैं, वे अवैध हैं। अगर चुनाव अवैध होता तो आप ढाई साल बाद रामलीला मैदान में सभा नहीं कर रहे होते। आपको चुनाव के तुरंत बाद ये बात कहनी थी।

शांत रहो तो 5 मिनट में भाषण खत्म, नहीं तो एक घंटा बोलूंगा



दिल्ली. दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन की रैली हो रही है। रैली को संबधित करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि अगर लोग चुपचाप सुनेंगे तो वे अपना भाषण सिर्फ पांच मिनट में खत्म कर देंगे। उन्होंने साफ कहा कि अगर बीच-बीच में शोर या व्यवधान होता रहा तो वे पूरे एक घंटे तक भाषण देंगे। यह बात उन्होंने अपने भाषण के दौरान कही, जब बीच-बीच में आवाजें आ रही थीं। खरगे ने लोगों को चेतावनी दी कि शांति से सुनने पर उनका संबोधन छोटा रहेगा, वरना वे विस्तार से बोलेंगे।

कांग्रेस अध्यक्ष ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली के रामलीला मैदान में आज एक ऐतिहासिक रैली हो रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने युवाओं, महिलाओं और दलितों के वोट छीनने की कोशिश की है। खरगे ने कहा कि इसी वजह से कांग्रेस कार्यकर्ता और समर्थक यहां इकट्ठा हुए हैं और वे इस अन्याय के खिलाफ लड़ने के लिए तैयार हैं।

इस दौरान खरगे ने साफ कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार अपने पद से नहीं हटेंगे, तब तक वे और उनके साथी यहां से नहीं जाएंगे। उन्होंने कहा कि वे तब तक लड़ते रहेंगे जब तक मांग पूरी नहीं हो जाती। खरगे ने आरोप लगाया कि ज्ञानेश कुमार को छिपाने की कोशिश की जा रही है, लेकिन वे कहीं नहीं छिप पाएंगे। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस कभी नहीं डरेगी और हर हाल में अपनी बात रखेगी।

बंगाल की खाड़ी में चक्रवात मुरासु बना

- 3 नवंबर को आंध्र तट से टकराएगा
- एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन

नई दिल्ली. बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी।

ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है। खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है।

सड़क हादसा, सिंगर हनी सिंह के भतीजे सहित 2 युवकों की मौत

जालंधर. पंजाब के जालंधर में रविवार तड़के एक सड़क हादसे में दो दोस्तों की जान चली गई। ये दोनों एक बर्थडे पार्टी से घर लौट रहे थे। मृतकों में गायक यो यो हनी सिंह का भतीजा विदित ओलाक भी शामिल है। वह पंजाबी म्यूजिक कंपनी 'स्पीड रिकॉर्ड्स' के मालिक दिनेश के बेटे थे। दूसरे की पहचान पैपी स्वीट्स के मालिक के बेटे आरव तलवार के रूप में हुई है। यह हादसा पुलिस लाइंस इलाके के पास एक फ्लाईओवर पर हुआ। उनकी वोक्सवैगन कार सड़क पर खड़ी नगर निगम की एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकरा गई। इस घटना के बाद हनी सिंह ने एक इंस्टाग्राम स्टोरी भी शेयर की।

दिल्ली में विपक्ष की रैली के खिलाफ भाजपा का मार्च

- नड्डा बोले- आज के दिन सिखों का नरसंहार हुआ
- राहुल अपनी राजनीति के लिए शहीदों को भूले



नई दिल्ली. INDIA ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया।

इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में SIR के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी।

वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर रामलीला मैदान में अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

दिल्ली-NCR में 50% वर्क फ्रॉम होम, पुरानी गाड़ियों पर रोक

- प्रदूषण रोकने के लिए आज से पाबंदियां
- 9 साल में अक्टूबर की हवा सबसे साफ



नई दिल्ली. दिल्ली-NCR में सर्दियों के प्रदूषण पर काबू पाने के लिए 1 नवंबर से नए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। अब दिल्ली के बाहर रजिस्टर्ड BS-VI से कम मानक वाली गाड़ियां राजधानी में नहीं आ सकेंगी।

सरकारी और प्राइवेट कंपनियों के ऑफिस में आधे कर्मचारी घर से काम करेंगे। कई सार्वजनिक पार्किंग में फीस भी दोगुनी कर दी गई है।

हालांकि, दिल्ली की हवा में पिछले 8 साल के मुकाबले सुधार दर्ज किया गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय के मुताबिक, अक्टूबर में औसत AQI 166 रहा, जो 2018 के बाद इस महीने का सबसे कम स्तर है।

दिल्ली सरकार ने जुलाई 2026 में विंटर पॉल्यूशन एक्शन प्लान को मंजूरी दी थी। इसके तहत हर साल 1 नवंबर से 28 फरवरी तक प्रदूषण रोकने के उपाय लागू किए जाएंगे। इस बार भी 1 नवंबर से इन प्रतिबंधों की शुरुआत हो गई है।

इससे पहले प्रदूषण बढ़ने पर ग्रेडेड रिस्पॉन्स एक्शन प्लान (GRAP) के तहत अलग-अलग पाबंदियां लगाई जाती थीं। नए विंटर प्लान में कुछ नियम पहले से तय तारीख पर लागू होंगे। यानी प्रदूषण का स्तर बढ़ने का इंतजार नहीं करना होगा।

संतों के साथ महारैली में पहुंचे पप्पू यादव

नई दिल्ली. अपने बेधड़क अंदाज और बयानों के लए जाने जाने वाले बिहार के दिग्गज नेता और सांसद पप्पू यादव भी विपक्ष की महारैली में पहुंचे हैं। हमेशा की तरह उनका अंदाज इस बार भी निराला है। उनके साथ बहुत सारे साधु-संत भी दिखाई दिए। लाइव हिन्दुस्तान के रिपोर्टर से बात करते हुए उन्होंने कहा कि ये बीजेपी के लोग ना तो राम को भगवान मानते हैं और ना ही कृष्ण को।

पप्पू यादव ने कहा, कोई कह दे कि हम कृष्ण के वंशज हैं बस हो गए हिंदू। हम शिव के राम के वंशज हैं, हो गए हिंदू। ये तो राम को भगवान मानते ही नहीं। हेडगेवार गीता और रामायण को मानते ही नहीं थे। पप्पू यादव ने कहा, ये लोग अंग्रेजों के दलाल हैं।

मणिपुर में फिर भड़की हिंसा

- कुकी समुदाय के 3 लोगों की मौत



इंफाल. मणिपुर में हिंसा भड़कने की खबर सामने आ रही है। नोनी जिले में एक जंगली पहाड़ी गांव में दो गुटों के बीच हुई भीषण गोलीबारी में कुकी समुदाय के तीन लोगों की मौत हो गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह गोलीबारी शनिवार सुबह नोनी जिले के केकड़ नागा गांव में शुरू हुई और पहाड़ी क्षेत्र में कई घंटों तक दोनों पक्षों के बीच रुक-रुक कर गोलीबारी जारी रही। मारे गए लोगों की पहचान थांगलेंसंग सिंगसन, थांगखोसेई हाओकिप और लम्मिनसंग किपजेन के रूप में हुई है। ये सभी चुराचंदपुर जिले के हेंगलेप और थानलन के अंदरूनी इलाकों के रहने वाले थे।

कुकी नागरिक संगठनों के अनुसार, ये तीनों मृतक ग्राम स्वयंसेवक थे। इस घटना के बाद कुकी समुदाय के सर्वोच्च निकाय कुकी इनपी मणिपुर (KIM) ने इन तीनों युवाओं की हत्या की कड़ी निंदा की है। संगठन ने एक आधिकारिक बयान जारी कर आरोप लगाया है कि इन हत्याओं के पीछे नागा उग्रवादी समूह शामिल हैं। KIM ने सरकार से इस मामले में तुरंत कड़ी कार्रवाई करने, जवाबदेही तय करने और न्याय की मांग की है।

2 लोगों के शव मिले

एक अन्य मामले में मणिपुर में सुरक्षा बलों ने रविवार को व्यापक संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान दो लोगों के शव बरामद किए। दोनों व्यक्ति 28 अक्टूबर को कांगपोकपी जिले से लापता हो गए थे। पुलिस के अनुसार, एसपी रोड के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-2 के पूर्वी क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया, जिसके दौरान दोनों शव मिले। यह बरामदगी कांगपोकपी जिले में बढ़े तनाव के बीच हुई है। कांगपोकपी स्थित संगठन कमेटी ऑन ट्राइबल यूनिटी (सीओटीयू) ने दोनों लापता युवकों की सुरक्षित और बिना शर्त रिहाई की मांग को लेकर 48 घंटे के पूर्ण बंद का आह्वान किया था।

पूर्ण बंद 29 अक्टूबर को शाम पांच बजे शुरू हुआ था और 31 अक्टूबर को शाम पांच बजे समाप्त होना था। सीओटीयू ने बंद और मणिपुर के राजमार्गों पर नाकेबंदी को कल तक बढ़ा दिया।

न्यूजीलैंड ने भारत को 7 विकेट से हराया



- साइफर्ट ने 93 रन बनाए
- श्रेयस-ईशान की फिफ्टी बेकार
- टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से जीती

भारतीय टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ पांचवां टी-20 मुकाबला 7 विकेट से हार गई है। हालांकि टीम इंडिया ने सीरीज 3-2 से अपने नाम की। हैमिल्टन में कीवी टीम ने 192 रन का टारगेट 3 विकेट खोकर 18 ओवर में चेज कर लिया।

टिम साइफर्ट ने 50 बॉल पर 93 रन बनाए। ग्लेन फिलिप्स ने नाबाद 65 रन की पारी खेली। भारत से अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती और नीतीश रेड्डी को 1-1 विकेट मिले।

इससे पहले शुक्रवार को टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी कर रही भारतीय टीम ने 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 191 रन बनाए। ईशान किशन ने 32 बॉल पर 61 रन बनाए। कप्तान श्रेयस अय्यर ने 23 बॉल पर 50 रन की पारी खेली। न्यूजीलैंड से एडम मिल्ने ने 4 विकेट लिए।

ग्लेन फिलिप्स ने जीता प्लेयर ऑफ द सीरीज अवार्ड

पांच मैचों की इस सीरीज में शानदार प्रदर्शन करने के लिए न्यूजीलैंड के मध्य क्रम के बेहतरीन बल्लेबाज ग्लेन फिलिप्स को प्लेयर ऑफ द सीरीज का अवार्ड दिया गया। उन्होंने इस पूरी सीरीज में कमाल की बल्लेबाजी की। बेहतरीन फील्डर के रूप में पहचाने जाने वाले फिलिप्स इस सीरीज के बाद दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों के रूप में भी जाने जाएंगे। उन्होंने इस सीरीज के 5 मैचों की 5 पारियों में बल्लेबाजी करते हुए 113.67 की अद्भुत औसत और 185.33 की शानदार स्ट्राइक रेट से कुल 341 रन बनाए। इस सीरीज में उन्होंने तीन अर्धशतकीय पारियां खेलीं, जबकि एक शतक भी जड़ा।

MBA के छात्र ने चुराए कारों के टायर

- महिंद्रा थार को बनाता था निशाना
- पुलिस ने 15 पहिए बरामद किए



हैदराबाद. तेलंगाना के हैदराबाद में पुलिस ने कारों के टायर और रिम चोरी करने के आरोप में एक MBA छात्र को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से 15 पहिए बरामद किए हैं। इनमें महिंद्रा थार के 12 पहिए शामिल हैं। आरोपी इसी गाड़ी के टायर चुराता था।

जांच 20 अक्टूबर को मिली एक शिकायत के बाद शुरू हुई। शिकायत में बताया गया था कि रेथीबोवली के गैलेक्सी एन्क्लेव अपार्टमेंट के बाहर खड़ी महिंद्रा थार का पिछला टायर चोरी हो गया था।

पुलिस ने केस दर्ज कर CCTV फुटेज की जांच की। इसमें एक युवक स्कूटर से आता दिखाई दिया। उसकी पहचान शोबान अली खान के रूप में हुई। फुटेज में वह थार के पीछे लगे स्टेपनी टायर को निकालता हुआ नजर आया। पुलिस ने शनिवार को शोबान को गिरफ्तार कर लिया।

शोबान टायर चुराने से पहले सड़क पर रखता था नजर

शोबान पहले अपने स्कूटर पर बैठकर मोबाइल चलाता है। फिर उतरकर काली थार के पास जाता है और टायर खोलने लगता है। तभी सामने से एक स्कूटर आता है। उसे देखकर वह वापस अपने स्कूटर के पास चला जाता है। स्कूटर के जाने के बाद वह फिर थार के पास जाता है, लेकिन किसी को अपनी तरफ आता देखकर वापस लौट जाता है। करीब एक मिनट तक वह सड़क पर लोगों के आने-जाने का इंतजार करता है।

इसके बाद वह फिर थार के पास जाता है। कुछ ही सेकेंड में टायर खोलकर अपने स्कूटर पर रखता है और वहां से भाग जाता है।

महादेव ऐप केस में बड़ी कार्रवाई

- प्रमोटर सौरभ चंद्राकर भारत लाया गया



नई दिल्ली. महादेव ऐप से जुड़े 6000 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में बड़ी कार्रवाई हुई है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने अन्य केंद्रीय एजेंसियों के साथ मिलकर महादेव ऑनलाइन बेटिंग सिंडिकेट के मास्टरमाइंड सौरभ चंद्राकर का ओमान से प्रत्यर्पण करवा लिया है। ओमान विशेष रूप से भेजी गई CBI की टीम चंद्राकर को लेकर भारत लौटी है। अब उन्हें छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर स्थित CBI स्पेशल कोर्ट में पेश किया जाएगा। यह कदम भारतीय एजेंसियों के लिए एक बड़ी सफलता माना जा रहा है, क्योंकि चंद्राकर को लंबे समय से देश वापस लाने की कोशिशें चल रही थीं।

नाशिक व पुणे रेलवे स्टेशनों पर छठ पूजा तक नहीं मिलेंगे प्लेटफॉर्म टिकट

नई दिल्ली. छठ पूजा और दिवाली के दौरान रेलवे स्टेशनों पर उमड़ने वाली यात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने सुरक्षा के इंतजाम तेज कर दिए हैं। कई स्टेशनों पर प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री अस्थायी रूप से बंद की जा रही है, ताकि यात्रियों के अलावा स्टेशन पर आने वाले लोगों की संख्या नियंत्रित रखी जा सके। इसका मकसद प्लेटफॉर्म पर भीड़ कम करना और भगदड़ जैसी घटनाओं की आशंका को रोकना है।

वहीं, बिहार जाने वाले यात्रियों के लिए राहत की खबर है। पूर्व मध्य रेलवे ने छठ पूजा के दौरान यात्रियों की भीड़ संभालने के लिए अतिरिक्त टिकट काउंटर खोलने और अस्थायी होल्डिंग एरिया बनाने की तैयारी की है। इन जगहों पर यात्रियों को ट्रेन आने तक इंतजार करने की सुविधा मिलेगी।

किस रेलवे स्टेशन पर नहीं मिलेंगे प्लेटफॉर्म टिकट?

जानकारी के मुताबिक, महाराष्ट्र के नासिक रोड रेलवे स्टेशन पर 1 नवंबर से 15 नवंबर 2026 तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री बंद रहेगी। यह फैसला मध्य रेलवे के भुसावल मंडल ने लिया है। रेलवे अधिकारियों के मुताबिक, त्योहारों के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने परिजनों को स्टेशन छोड़ने और लेने आते हैं। इससे प्लेटफॉर्म पर अनावश्यक भीड़ बढ़ जाती है। ऐसे में प्लेटफॉर्म टिकट बंद करने से स्टेशन परिसर में लोगों की आवाजाही नियंत्रित करने में मदद मिलेगी। हालांकि, इस व्यवस्था में कुछ लोगों को छूट भी दी गई है। पुणे रेलवे स्टेशन पर भी 1 से 15 नवंबर तक प्लेटफॉर्म टिकटों की बिक्री सीमित रहेगी। ऐसा इसलिए किया जा रहा है क्योंकि दिवाली की छुट्टियों और छठ पूजा के दौरान सेंट्रल रेलवे में यात्रियों की भारी भीड़ होने की संभावना है।

पत्नी ने अपने 2 आशिकों संग मिलकर पति को मार डाला

तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में एक महिला ने अपने 2 प्रेमियों के साथ मिलकर पति की हत्या कर दी। तीनों ने हत्या के बाद शव को तालाब में फेंक दिया, ताकि मामला हादसा लगे। पुलिस ने जांच के दौरान हत्या की साजिश का खुलासा करते हुए महिला और उसके दोनों साथियों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतक की पहचान 26 वर्षीय चकाली उर्फ गुम्माडी काशीराम के रूप में हुई है। वह बांसवाड़ा मंडल के हनमाजिपेट गांव का रहने वाला था और दिहाड़ी मजदूरी करता था। पुलिस के मुताबिक, 23 अक्टूबर की रात काशीराम का शव गांव के बाहरी इलाके में स्थित पचेरा चेरुवु तालाब में मिला था।

आम सूचना

मैं श्री शिव कुमार गौतम सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, ईएमटी कंपाउंड के पास, शहाड हटमेंट एरिया, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 09एओ014932500) उक्त प्रॉपर्टी श्री राजाराम मंहगु जैसवार के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.10.2026 सी.नं. 1185/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री शिव कुमार गौतम

आम सूचना

हम श्री अमरम आमिर शेख व श्रीमती फेमिदा अकरम शेख सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, हरमन मोहता के पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 04एओ014187900) उक्त प्रॉपर्टी श्री शामराव धुला घागरे के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 26.10.2026 सी.नं. 6512/2026 द्वारा हमने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्यथा 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अमरम आमिर शेख व
श्रीमती फेमिदा अकरम शेख

संक्षेप...

43 लाख रुपये का प्रतिबंधित गुटखा जब्त

भिवंडी. खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने भिवंडी इलाके के अरिहंत कंपाउंड में एक टेंपो से 42.96 लाख रुपये मूल्य का 'एक्सपायरी' (इस्तेमाल की अवधि समाप्त हो चुके), प्रतिबंधित और अनुचित तरीके से पैक किया गया गुटखा तथा पान मसाला जब्त किया है.

पुलिस ने बताया कि वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि इन उत्पादों के वितरक और परिवहनकर्ता समेत अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है.

बिना चीर-फाड़ के मात्र 10 मिनट में पोस्टमार्टम

■ केईएम अस्पताल में शुरू होने जा रही हाई-टेक वर्चुअल ऑटोप्सी



मुंबई. देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की चिकित्सा व्यवस्था में अहम कड़ी शामिल होने जा रही है। शरीर के अंदर गोली का रास्ता, चाकू के घाव की गहराई या कोई छिपा हुआ फ्रैक्चर अब इन सबको बिना शरीर पर एक भी चीरा लगाए देखा जा सकेगा। परेल स्थित नगर निगम के केईएम (किंग एडवर्ड मेमोरियल अस्पताल) अस्पताल में एक हाई-टेक 'वर्चुअल ऑटोप्सी' सेंटर बनने जा रहा है। इससे फोरेंसिक विशेषज्ञ पारंपरिक तरीके से शरीर को चीर-फाड़ करने के बजाय, स्कैन और थ्रीडी (3D) इमेज की मदद से शवों की जांच कर सकेंगे।

2021 में एम्स से हुई थी शुरुआत

दिल्ली के एम्स (AIIMS) ने मार्च 2021 में 'वर्चुअल ऑटोप्सी' (जिसे 'वर्टोप्सी' भी कहा जाता है) की शुरुआत की थी। AIIMS की टीम के रिसर्च पेपर के अनुसार, उनका CT स्कैनर कुछ ही सेकंड में शरीर की 25,000 इमेज ले सकता है। इस पूरी प्रक्रिया में लगभग 10 मिनट का समय लगता है, जबकि पारंपरिक पोस्टमार्टम में चार से छह घंटे तक का समय लग सकता है। इससे पुलिस को काफी फायदा होगा।

■ 17 करोड़ की लागत से बनेगा परिसर

30 अक्टूबर को BMC ने 17 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले एक आधुनिक मॉर्चरी कॉम्प्लेक्स (शवगृह परिसर) के लिए टेंडर जारी किया। यह परिसर ग्राउंड फ्लोर के अलावा पांच मंजिला होगा और इसमें मुख्य रूप से 'नॉन-इनवेसिव' (बिना चीरा लगाए की जाने वाली) ऑटोप्सी पर ध्यान दिया जाएगा।

■ क्या होगा खास

यह सेंटर एडवांस इमेजिंग तकनीक का इस्तेमाल करेगा, जिससे विशेषज्ञों को अंदरूनी चोटों की जांच करने और हिंसक या संदिग्ध मामलों में मौत के कारण और तरीके का पता लगाने में मदद मिलेगी। यह महाराष्ट्र का अपनी तरह का पहला सेंटर होगा। इसके अलावा, भायखला स्थित सरकारी जेजे अस्पताल में भी ऐसी ही सुविधा शुरू करने की योजना है।

गांजे के साथ तड़ीपार गिरफ्तार

पनवेल. तड़ीपार किए जाने के बावजूद पनवेल तहसील की सीमा में अवैध रूप से रह रहे एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाले आरोपी को पनवेल तालुका पुलिस ने गिरफ्तार किया है. जिसके पास से पुलिस ने गांजा और नशीले पदार्थ बरामद किया है. यह कार्रवाई बावंजे गांव स्थित हाजी मलंग रोड परिसर में की गई. पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी का नाम सुभाष दत्तू माली है. उसके पास से 623 ग्राम गांजा, 3 चिलम और माचिस जब्त की गई है. जांच में पता चला कि सुभाष माली को पहले ठाणे शहर, मुंबई, बृहन्मुंबई, नवी मुंबई, रायगड और पालघर जिलों की सीमाओं से एक साल के लिए तड़ीपार किया गया था.

'लोकतंत्र बचाओ' की झूठी कहानी का पर्दाफाश करें

■ डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का राहुल गांधी और कांग्रेस पर हमला

ठाणे. भाजपा के 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' आंदोलन में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कांग्रेस और इंडिया फ्रंट पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार के खिलाफ झूठा नैरेटिव फैलाकर संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का भरोसा कमजोर करने की कोशिश कर रहा है।

शिंदे ने कहा कि 1975 की इमरजेंसी के दौरान नेताओं को जेल में डाला गया और मीडिया पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके विपरीत आज विपक्ष को आंदोलन, मार्च और प्रदर्शन की पूरी स्वतंत्रता है। इसके बावजूद लोकतंत्र खतरे में होने का दावा किया जा रहा है। उन्होंने न्यायपालिका, चुनाव आयोग और अन्य संवैधानिक संस्थाओं पर सवाल उठाने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

राहुल गांधी के 'वोट चोरी' के आरोपों पर शिंदे ने कहा कि आरोप लगाने के साथ सबूत भी पेश किए जाने चाहिए। उन्होंने सवाल किया कि कर्नाटक, तेलंगाना, तमिलनाडु, केरल और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की सरकारें क्या वोट चोरी के कारण बनीं? उन्होंने विपक्ष को चुनौती दी कि यदि



ईवीएम को लेकर संदेह है तो उसे प्रमाणित कर दिखाया जाए।

शिंदे ने आरोप लगाया कि कोविड के दौरान मुंबई महानगरपालिका में 'नोट चोरी' करने वाले लोग आज 'वोट चोरी' की बात कर रहे हैं। उन्होंने 2014 से पहले और वर्तमान भारत की तुलना करते हुए आतंकवाद, नक्सलवाद के खिलाफ कार्रवाई, अनुच्छेद 370 हटाने और राम मंदिर निर्माण जैसी उपलब्धियां गिनाईं। उन्होंने कहा कि अगर बालासाहेब ठाकरे आज होते तो मोदी और अमित शाह की पीठ थपथपाते।

उन्होंने केंद्र सरकार की जनधन, पीएम-किसान, लखपति दीदी, बेटी बचाओ, स्टार्टअप और कौशल विकास जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का लक्ष्य युवाओं को रोजगार, कौशल और अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने विपक्ष से युवाओं के कंधों पर बंदूक रखकर राजनीति करने के बजाय उनके भविष्य पर ध्यान देने की अपील की।

शिंदे ने कहा कि 'मोदी हटाओ' का नैरेटिव जनता स्वीकार नहीं करेगी। उन्होंने कार्यकर्ताओं से फेक नैरेटिव का मजबूती से जवाब देने का आह्वान करते हुए विश्वास जताया कि महाराष्ट्र में महायुति और देश में एनडीए का भगवा झंडा आगे भी लहराता रहेगा। आंदोलन में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे सहित भाजपा-शिवसेना के कई नेता, पदाधिकारी और कार्यकर्ता बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

BMW कार से ट्रैफिक पुलिस को कुचलने की कोशिश

■ आरोपी महिला सीओओ गिरफ्तार



मुंबई. मुंबई के जुहू इलाके में मामूली सड़क दुर्घटना के बाद ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिस कांस्टेबल को बीएमडब्ल्यू कार से कुचलने की कोशिश के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की पहचान जुही मेहता के रूप में हुई है, जो मुंबई की एक डिजिटल मीडिया और कंटेंट कॉमर्स कंपनी में सीओओ हैं। पुलिस के अनुसार,, घटना 30 अक्टूबर की रात करीब 8:15 से 8:30 बजे के बीच विले पार्ले पश्चिम स्थित संगीत महाभारती जंक्शन के पास हुई। उस समय सांताक्रूज ट्रैफिक डिवीजन के कांस्टेबल प्रशांत गोकुल हाके एनएस रोड नंबर 10 पर स्थित प्रतीक्षा बंगले के बाहर वर्दी में ड्यूटी पर तैनात थे।

पुलिस के अनुसार, बीएमडब्ल्यू और मारुति वैगनआर के बीच मामूली टक्कर हो गई थी। दोनों वाहन सड़क के बीच में खड़े होने से यातायात बाधित हो रहा था। कांस्टेबल हाके ने दोनों चालकों को गाड़ियां किनारे लगाने के निर्देश दिए। आरोप है कि बीएमडब्ल्यू चला रही जुही मेहता ने निर्देश मानने से इनकार कर दिया और पुलिसकर्मी से बहस करने लगीं।

पुलिस शिकायत के अनुसार, महिला ने कांस्टेबल को धमकी देते हुए कहा, मैं बहुत अमीर हूं, मेरी बहुत पहचान है। तुझे अपहरण और महिला के झूठे केस में फंसा दूंगी। वह बार-बार उनसे पूछ रही थीं, कितना पैसे चाहिए?

आरोप है कि कांस्टेबल जब बीएमडब्ल्यू के सामने खड़े होकर उन्हें गाड़ी रोकने के लिए कह रहे थे, तभी महिला ने कार उनकी ओर तेज गति से बढ़ा दी। जान बचाने के लिए कांस्टेबल को एक तरफ हटना पड़ा। इसके बाद वह कार लेकर जेवीपीडी जंक्शन की ओर फरार हो गईं। इस मामले में जुहू पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया है। पुलिस ने बीएमडब्ल्यू के खिलाफ ई-चालान भी जारी किया है। दुर्घटना में वैगनआर भी क्षतिग्रस्त हुई है। उसके मालिक ने भी पुलिस से शिकायत की है।

जीवित पेड़ों पर लाइटिंग; मुख्यमंत्री कार्यालय ने ज्ञापन पर ध्यान दिया

■ निसर्गसत्ता पर्यावरण सोसायटी ने स्थायी रोक की मांग की

■ आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग के सचिव मिलिंद म्हैसकर को ज्ञापन

ठाणे. निसर्गसत्ता पर्यावरण सोसायटी ने पेड़ों पर बिजली की लाइटिंग और सजावट पर स्थायी रोक लगाने की मांग की है ताकि त्योहारों के दौरान जीवित पेड़ों का प्राकृतिक अस्तित्व खतरे में न पड़े। मुख्यमंत्री कार्यालय ने पर्यावरणविद् डॉ. प्रशांत सिनकर के जनहित ज्ञापन पर ध्यान दिया है और इसे आगे की कार्रवाई के लिए वन विभाग के सचिव को भेज दिया है। ठाणे शहर में त्योहारों के दौरान जीवित पेड़ों के तनों और डालियों पर बिजली की लाइटों, तारों और सजावटी सामान की मालाएं लगाई जाती हैं। सुंदरता के नाम पर किए जाने वाले इस काम से पेड़ों की छाल को नुकसान पहुंचने, प्राकृतिक विकास में बाधा आने और पक्षियों, कीड़ों और अन्य जीवित प्राणियों के आवास पर असर पड़ने की संभावना है।

संगठन के राजीव डाके ने कहा कि पेड़ सिर्फ शहर की सुंदरता बढ़ाने वाले साधन नहीं हैं, बल्कि इकोलॉजिकल संतुलन और शहरी जैव विविधता के लिए भी एक महत्वपूर्ण आधार हैं। इस बैकग्राउंड में, निसर्गसत्ता पर्यावरण संस्था की तरफ से मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को एक पब्लिक इंटरेस्ट रिप्रेजेंटेशन दिया गया। इसमें मांग की गई है कि जीवित पेड़ों पर इलेक्ट्रिक लाइटिंग और डेकोरेशन पर परमानेंट बैन लगाकर इको-फ्रेंडली ऑप्शन अपनाए जाएं। रिप्रेजेंटेशन के साथ डिटेल्ड मांगें और उससे जुड़ी तस्वीरें भी दी गई हैं।

मुख्यमंत्री ऑफिस ने इस रिप्रेजेंटेशन पर संज्ञान लिया है और इसे आगे की ज़रूरी कार्रवाई के लिए फॉरेस्ट डिपार्टमेंट के सेक्रेटरी मिलिंद म्हैसकर को भेज दिया है। इसलिए, एनवायरनमेंटलिस्ट्स का ध्यान इस बात पर है कि जीवित पेड़ों पर इलेक्ट्रिक लाइटिंग पर परमानेंट बैन की मांग पर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट क्या स्टैंड लेता है और क्या फैसला लेता है। जीवित पेड़ सिर्फ डेकोरेटिव टूल नहीं हैं, बल्कि शहर की नेचुरल वेल्थ और बायोडायवर्सिटी का आधार हैं। कुछ देर की लाइटिंग के लिए उनकी नेचुरल ग्रोथ और हैबिटैट से कॉम्प्रोमाइज करना सही नहीं है। पेड़ों को नुकसान पहुंचाए बिना त्योहारों की खुशी मनाने के लिए परमानेंट नियमों की जरूरत है। मुख्यमंत्री ऑफिस का ध्यान इस ओर एक अहम एडमिनिस्ट्रेटिव शुरुआत होनी चाहिए।

महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को मिलेगा बाजार

■ 3 से 5 नवंबर तक ठाणे में लगेगा 'दिवाली फराल व घरेलू सामान' उत्सव

ठाणे। महाराष्ट्र राज्य ग्रामीण जीवनोन्नति अभियान के तहत महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने और महिला उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से वज्रेश्वरी महोत्सव के अंतर्गत 'दिवाली फराल व घरेलू सामान उत्सव' का आयोजन किया गया है। यह उत्सव 3 से 5 नवंबर तक बी. जे. हाई स्कूल मैदान, टेंभिनाका, ठाणे पश्चिम में आयोजित होगा।

उत्सव में जिले के 25 स्वयं सहायता समूहों के स्टॉल लगाए जाएंगे। इन स्टॉलों पर महिलाओं द्वारा तैयार किए गए दिवाली फराल, खाद्य पदार्थ और विभिन्न घरेलू सामान बिक्री के लिए उपलब्ध होंगे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने ठाणे शहर व जिले के नागरिकों से उत्सव में पहुंचकर महिला समूहों के उत्पाद खरीदने और उनके हुनर को प्रोत्साहित करने की अपील की है। अतिरिक्त सीईओ अजिंक्य पवार ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य महिला समूहों को उनके उत्पादों की बिक्री के लिए बेहतर मंच और बाजार उपलब्ध कराना है।

करंट लगने से 4 मवेशियों की मौत

पनवेल. महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी (महावितरण) की जर्जर और बदहाल बुनियादी व्यवस्था के कारण पनवेल तहसील के ग्रामीण अंचल में बेजुबान पशुओं की जान खतरे में पड़ गई है. तहसील के दुंदेपाडा गांव के पास सड़क पर टूटकर गिरी बिजली की हाई-वोल्टेज तार की चपेट में आने से 4 मवेशियों की दर्दनाक मौत हो गई, इस घटना से पूरे ग्रामीण क्षेत्र के पशुपालकों और किसानों में भारी रोष है.

18.95 करोड़ रुपये का घटिया खाद्य तेल जब्त

■ 80 फूड लाइसेंस निलंबित

मुंबई. महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (FDA) ने मिलावटखोरों और घटिया खाद्य पदार्थों की बिक्री करने वालों के खिलाफ एक बड़ा शिकंजा कसा है। राज्यव्यापी चलाए गए एक विशेष अभियान के दौरान FDA ने भारी मात्रा में घटिया खाद्य तेल ज़ब्त किया है।



FDA के अधिकारियों के अनुसार, इस विशेष अभियान के तहत कुल 28,753 क्विंटल घटिया और अमानक (substandard) खाद्य तेल को जब्त किया गया है, जिसकी बाजार में कुल कीमत लगभग 18.95 करोड़ रुपये आंकी गई है। इसके अलावा, खाद्य सुरक्षा मानकों का उल्लंघन करने पर 80 फूड बिजनेस लाइसेंस को भी तुरंत प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। राज्य के अलग-अलग हिस्सों में FDA की टीमों ने छापेमारी की, जिसमें सबसे अधिक जब्ती पुणे डिवीजन में देखने को मिली:

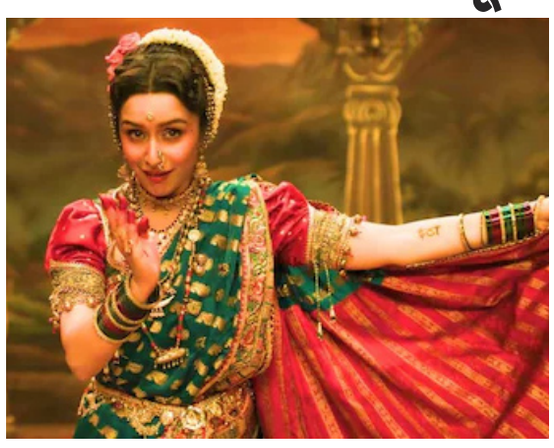
पुणे: 19,551 क्विंटल

छत्रपति संभाजीनगर: 5,736 क्विंटल

अन्य डिवीजन (मुंबई, कोंकण, नाशिक, नागपुर और अमरावती): कुल 3,466 क्विंटल (जिसमें अकेले मुंबई से 506.70 क्विंटल और कोंकण से 2,146 क्विंटल शामिल है)।

FDA अधिकारियों का कहना है कि नागरिकों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ इस तरह की सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी।

2 साल में एक ही फिल्म क्यों करती हैं श्रद्धा कपूर?



द्धा कपूर की मोस्ट अवेटेड फिल्म फिल्म ईठा का ट्रेलर रिलीज हो गया है जो सोशल मीडिया पर छाया हुआ है और इसे काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। शुक्रवार को ट्रेलर रिलीज हुआ और इस दौरान श्रद्धा ने फिल्म को लेकर खूब बात की। इसके अलावा श्रद्धा ने यह भी बताया कि क्यों वह 2 साल में एक ही फिल्म करती हैं।

ईठा फिल्म को लक्ष्मण उत्तेकर ने डायरेक्ट किया है और दिनेश विजन ने प्रोड्यूस किया है। दिनेश के साथ यह उनकी तीसरी फिल्म है। इससे पहले दोनों 2 सुपरहिट फिल्म स्त्री और स्त्री 2 में काम कर चुके हैं।

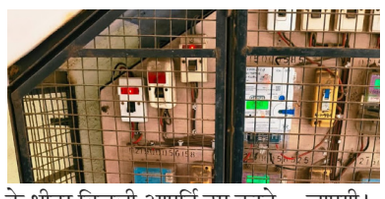
श्रद्धा ने कहा, 'मुझे नहीं लगता कि मैंने कोई रिकॉर्ड तोड़ा है या मैंने कुछ बॉक्स ऑफिस में कुछ किया है। मैंने कुछ नहीं किया है। मेरे लिए मैटर करता है कि फिल्म अच्छी हो। यही वजह है कि मैं कभी-कभी 2 साल में एक पिक्चर आ जाती है मेरी।'

श्रद्धा ने आगे कहा, 'मुझे कभी नहीं लगता कि वुमन ओरिएंटेड या मेल ओरिएंटेड फिल्में। हमारी इंडस्ट्री को अच्छी स्टोरीज चाहिए और ऐसी स्टोरीज बनानी चाहिए। मुझे लगता है ये काफी छोटी सोच है फिल्मों को जेंडर के बेसिस पर डिवाइड करना। फिल्म की सक्सेस इन्सिडेन्टल है ना कि ये किसी के हाथ में होता है।'

बता दें कि ईठा महाराष्ट्र ट्रेडिशनल तमाशा और लावणी डांस फॉर्म और विठाबाई नारायणगांवकर की लाइफ पर बनी है। ईठा एक ऐसी महिला की कहानी बताती है जिन्होंने परंपराओं को तोड़ा और कई कठिनाइयों का सामना करते हुए इतिहास बनाया।

डोंबिवली स्मार्ट मीटर विवाद : महावितरण ने 2 सोसायटियों को दिया 24 घंटे का अल्टीमेटम

■ बिजली काटने की धमकी से हड़कंप



कल्याण. महाराष्ट्र राज्य बिजली वितरण कंपनी लिमिटेड (MSEDCL / महावितरण) और डोंबिवली के नागरिकों के बीच स्मार्ट मीटर लगाने को लेकर विवाद अब काफी बढ़ गया है। स्मार्ट मीटर लगाने की अनुमति न देने और मीटर बॉक्स में ताला लगाने के विरोध में महावितरण ने क्षेत्र की दो हाउसिंग सोसायटियों को 24 घंटे के भीतर बिजली आपूर्ति ठप करने की चेतावनी वाला नोटिस थमा दिया है। महावितरण द्वारा यह नोटिस डोंबिवली की साईं दीप और इंद्रनील हाउसिंग सोसायटियों को भेजा गया है, जिनमें करीब 40-40 परिवार रहते हैं। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि वे मीटर बॉक्स का ताला हटाएं और स्मार्ट मीटर लगाने में सहयोग करें। ऐसा न करने पर अगले 24 घंटे के भीतर पूरी सोसायटी की बिजली काट दी जाएगी।

साईं दीप सोसायटी के अध्यक्ष अमेय पारकर और अन्य पदाधिकारियों ने महावितरण के इस कड़े रुख की आलोचना की है। रहवासियों का कहना है कि बिजली काटने की धमकी देने के बजाय महावितरण के अधिकारियों को उनके साथ बैठक कर स्मार्ट मीटर से जुड़ी चिंताओं और आशंकाओं को दूर करना चाहिए।

सामाजिक कार्यकर्ता राजू नालावड़े ने भी महावितरण को चेतावनी दी है कि वे जबर्दस्ती स्मार्ट मीटर न थोपें, वरना इसके खिलाफ बड़ा आंदोलन शुरू किया जाएगा। दूसरी ओर, महावितरण के कार्यकारी अभियंता जगदीश बोडखे ने बताया कि वरिष्ठ स्तर से प्राप्त निर्देशों के तहत ही यह कार्रवाई और नोटिस जारी किए गए हैं।

सार्वजनिक सूचना

इसके द्वारा सभी जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्रीम.सरिता सुनील शर्मा इन्होने वार्ड नंबर 18, बैरक नंबर 205/ए के सामने,रूम नंबर 8, उल्हासनगर 1, जिला ठाणे में स्थित संपत्ति, जिसका मालमत्ता नंबर 18बीआय016033400 और ओल्ड मालमत्ता नंबर 18/0271 है,और कुल क्षेत्रफल 492 चौ.फुट.वाली यह संपत्ति श्री.राजा केसुमल माधवानी से दिनांक 26/12/2009 को ॲग्रीमेन्ट फॉर सेल से नोटरी क्रमांक 4720/2009 के तहत खरीदी है,

इससे पहले उक्त संपत्ति श्री.राजा केसुमल माधवानी इन्होने दिनांक 16/08/1979 को श्रीम.इशाबाई जयरामदास लाहोरी से ॲग्रीमेन्ट ऑफ सेल समझौते द्वारा खरीदी गई थी। दिनांक 16/08/1979 के उक्त संपत्ति के दस्तावेज कहीं गुम हो गए हैं, लेकिन यह संपत्ति मेरी पक्षकार श्रीम.सरिता सुनील शर्मा के नाम हस्तांतरित की जानी है,उपरोक्त संपत्ति पर किसीका कोई ऋण,दावा,गिरवी,दान, दोहरा ऋण,कब्जा आदि,और साथ ही दिनांक 16/08/2009 के ॲग्रीमेन्ट ऑफ सेल मुल दस्तावेज अगर किसी को मिल जाए तो इसके बारे मे जो भी शिकायत होगी तो इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित आवेदन जमा करके या मोबाइल नंबर पर संपर्क करके दर्ज की जानी चाहिए; अन्यथा 7 दिनों के बाद प्राप्त आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा।

सही/-
श्रीम. सरिता सुनिल शर्मा
सही/-
Adv.Deodatt M.Ughade
Advocate High court
Off.-Samarth Advt.B-wing,2nd floor,
Sudhanshu Chembers, Kalyan (W)
Mob.9890878358





यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099